हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, शुक्रवार, 14 फरवरी, 2025

9 अल्ट्रासाउंड कराने से पहले देने होंगे सही दस्तावेज : सीएमओ

10 नेशनल गेम्स में साहिल, मोहित और जयप्रकाश पहलवान ने जीते मेडल

खबर संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक लापता

बहादुरगढ़। गांव सांखोल का निवासी एक युवक लापता हो गया है। काफी तलाशने के बाद भी उसका कुछ अता पता नहीं है। अब उसकी पत्नी ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है। तन्नु का कहना है कि उसका पति साजन ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली एक कंपनी में काम करता है। गत 11 फरवरी को घर से बाहर गया था लेकिन वापस नहीं आया। काफी देर तक नहीं लौटा तो संपर्क करने की कोशिश की। इसके बाद उसकी तलाश शुरू की। दो दिन बीत जाने के बाद भी उसका कुछ अता पता नहीं है। उधर, सेक्टर 6 थाना पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कंपनी के बाहर से बाइक चोरी

बहादुरगढ़। इलाके में दोपहिया वाहन चोरी के मामले नहीं थम रहे। अब रोहद स्थित एक कंपनी के बाहर से बाइक चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। सांपला के निवासी राहुल का कहना है कि वह रोहद स्थित एक कंपनी में काम करता है। गत 11 फरवरी को कंपनी में गया था। बाइक बाहर खड़ी की थी। शाम को कंपनी से निकला तो बाइक नहीं मिली। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया। इस शिकायत पर आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिस्तौल व कारतूस सहित गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस की एंटी नार्कोटिक सैल ने अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से देशी पिस्तौल व कारतूस बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ सदर थाने में केस दर्ज किया गया है। एएनसी इंचार्ज जमील अहमद के अनुसार, आरोपी को सोलधा से गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान रवि के रूप में हुई है। सोलधा का रहने वाला है। वह अपने गांव की फिरनी से लोवा जाने वाले मार्ग की तरफ घूम रहा था। इसी दौरान गुप्त सूचना पर उसे काबू किया गया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

जानलेवा हमले के आरोप में दो नाबालिग गिरफ्तार

बहादुरगढ़। गांव खेड़का गुर्ज्जर में घर से बाहर बुलाकर एक युवक को गोली मारने के मामले में पुलिस ने दो नाबालिग लड़कों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से वारदात में इस्तेमाल की गई पिस्तौल और बाइक बरामद की गई है। बादली थाना प्रभारी राकेश कुमार के अनुसार, खेड़का गुर्ज्जर के निवासी धर्मवीर ने शिकायत दी थी कि मेरे भतीजे को गांव के दो युवकों ने घर से बाहर बुलाया था। इसके बाद उसकी पीठ में गोली मारकर भाग गए। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव के दो लड़कों पर नामजद केस दर्ज हुआ था। मामले में कार्रवाई दो नाबालिग आरोपी पकड़े गए हैं।

मामले को सुलझाने के लिए पुलिस प्रयास कर रही

मंदिर में जली अवस्था में शव मिला, नहीं हो पाई शिनाख्त

- शव को पुलिस ने नागरिक अस्पताल में रखवा कर पहचान के प्रयास किए
- आसपास लगते तमाम चौकी, थानों से पुलिस गुमशुदा लोगों का डेटा जुटा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जांच के बाद पता चलेगा मामला

युवक को किसी ने जलाया है या उसने खुद आत्मदाह किया, ये जांच पूरी होने के बाद ही पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस इसे आत्मदाह का केस मान रही है लेकिन अन्य पहलुओं को देखते हुए भी जांच आगे बढ़ा रही है। डॉक्टरों के ओपीनियन और पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर भी बहुत कुछ निर्भर है। पुलिस कबीर बस्ती के आसपास सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। जांच अधिकारी बिजेंद्र सिंह का कहना है कि अभी तक मामला आत्म दाह का लग रहा है लेकिन तमाम पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। शव की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। निर्धारित 72 घंटे तक शव नागरिक अस्पताल में है।

कबीर बस्ती स्थित शिव मंदिर में जली अवस्था में मिले शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। युवक कौन है, किन परिस्थितियों में उसकी यह हालत हुई, ये फिलहाल सवाल बना हुआ है। मामले को सुलझाने के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। दरअसल, बुधवार की सुबह जब कबीर बस्ती के लोग पूजा अर्चना करने के लिए शिव मंदिर में गए तो वहां भगवान की प्रतिमा के नीचे एक युवक का शव मिला। शव कहीं हद तक जला हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की तो प्रथमदृष्टया मामला आत्म दाह का प्रतीत हुआ। शव को पुलिस ने नागरिक अस्पताल में रखवा कर पहचान के प्रयास किए। आसपास लगते तमाम चौकी, थानों से पुलिस गुमशुदा लोगों का डेटा जुटा रही है। वहीं मीडिया, इंटरनेट मीडिया के जरिये भी प्रयास कर रही है। वीरवार को रोहणा से एक परिवार ने पुलिस से संपर्क जरूर किया लेकिन यह शव उनके परिवार से खोए लड़के का नहीं था।

कोट-बाजितपुर के नजदीक सड़क पर चलते ट्राले में लगी आग

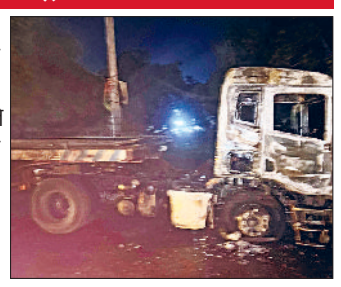

झज्जर। सड़क पर जा रहे ट्राले में लगी हुई आग और नजदीक से निकलते वाहन, फायर ब्रिगेड कर्मचारियों द्वारा आग बुझाने के बाद सड़क पर खड़ा क्षतिग्रस्त ट्राला।

झज्जर। शहर के बादली रोड स्थित कोट-बाजितपुर गांव के नजदीक एक ट्राले में एकाएक आग लग गई। वीरवार की देर शाम करीब साढ़े सात बजे हुए इस हादसे के बाद ट्राले का कैबिन धूं-धूं कर जलने लगा तो ट्राला चालक द्वारा कूद कर जान बचाई गई। राहगीरों ने जब जलता हुआ ट्राला देखा तो इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। जिसके बाद आनन –फानन में फायद ब्रिगेड टीम सदस्यों ने मौके पर पहुंच कर करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मामले की जानकारी देते हुए दमकल केंद्र कर्मी बिजेंद्र डागर ने बताया कि इस दौरान जहां ट्राले के अगले हिस्से में बना कैबिन और ट्राले के छह टायर, बैटरी, डीजल टैंक जल गए। उन्होंने बताया कि गाड़ी मालिक का नाम वेदप्रकाश है। जिस पर उन्होंने मैनपुरी यूपी के प्रदीप को चालक रखा हुआ है। ये फरीदाबाद से हिसार जा रहे थे।

गोवंश की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार सफाई दरोगा घायल

झज्जर। शहर के पुरानी तहसील रोड पर गोवंश की चपेट में आने से नगर परिषद में तैनात सफाई दरोगा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना बुधवार की देर रात उस दौरान हुई जब सफाई दरोगा मुकेश सोनी शहर के ग्वालिसन मार्ग स्थित एक विवाह समारोह स्थल से अपनी मोटरसाइकिल पर वापस लौट रहा था। परिजनों को जब दुर्घटना का पता चला तो वे उसे उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से चिकित्सकों द्वारा उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। इस संबंध में मुकेश सोनी के भाई नरेश सोनी ने बताया कि उन्हें करीब साढ़े दस बजे अपने भाई के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली थी। पता चला है कि जब मुकेश मोटरसाइकिल पर वापिस घर लौट रहा था अचानक उसके सामने एक बेसहारा गोवंश आ गया। वह संतुलन खो बैठा और मोटरसाइकिल सहित सड़क पर जा गिरा। सूचना के बाद वे उसे रोहतक पीजीआई स्थित ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों द्वारा उसे वीरवार को छुट्टी दे गई। इस घटना में मुकेश सोनी के हाथ में फ्रैक्चर हो गया तथा उसके मुंह भी चोटें आई हैं।

झज्जर। दुर्घटना के बाद गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचा सफाई दरोगा मुकेश सोनी। फोटो :हरिभूमि

परीक्षाओं को उत्सव की तरह मनाएं विद्यार्थी

- तनाव दूर करने व आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए शिक्षाविदों ने किया जागरुक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शैलजा जून, मोनिका राठी

अनीता राणा, सुमन हुड्डा

स्कूली विद्यार्थियों के शिक्षण का वार्षिक आंकलन परीक्षाओं के माध्यम से होता है, लेकिन परीक्षा के नाम से बच्चों में तनाव व भय का माहौल बना रहता है। जिसके चलते बच्चे परीक्षा में सौ फीसद परिणाम नहीं दे पाते है। विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाते हुए शिक्षाविदों का कहना है कि परीक्षा को भी एक उत्सव की तरह मानना चाहिए। जीडी गोयनका बहादुरगढ़ की निदेशिका शैलजा जून के अनुसार परीक्षा से बच्चे की पढ़ाई का वार्षिक आंकलन होता है, इसलिए परीक्षा तनाव नहीं बल्कि सेलिब्रेशन का अवसर है। बच्चों को बेसिक कंसेप्ट पर ध्यान देना चाहिए। इससे पाठ्यक्रम की सभी मूल समस्याएं हल हो जाती हैं। रट्टा प्रणाली प्रतियोगिता के युग में उपयोगी नहीं है। परीक्षा से पूर्व प्रश्न पत्र को अच्छे से पढ़ना चाहिए और शांत भाव से परीक्षा देनी चाहिए।

फाउंडेशन पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल मोनिका राठी ने कहा कि परीक्षा के नाम से ही विद्यार्थी तनाव में आ जाते हैं। विशेषकर बोर्ड के परीक्षार्थी इसे हौवा बना लेते है। ऐसा नहीं होना चाहिए। वे तनाव को भूलकर तैयारी करें। कठिन टॉपिक पर छात्र ध्यान दें, सहपाठी व अध्यापक की मदद लें। मन लगाकर रुचि के साथ पढ़े और घबराएं नहीं। मेहनत व आत्मविश्वास से आगे बढ़े तो कोई भी परीक्षा उन्हें कठिन नही लगेगी। जीडी गोयनका झज्जर की प्रिंसिपल अनीता राणा के अनुसार विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षाओं को भी सामान्य शेड्यूल की तरह लेना चाहिए। विद्यार्थी पूरा साल कोई ना कोई टेस्ट देते ही रहते हैं, ऐसे में उन्हें फाइनल परीक्षा का तनाव नहीं लेना चाहिए। परीक्षा की तैयारी के लिए उन्हें अपना टाइम टेबल बनाना चाहिए तथा प्रातःकाल के समय जल्दी उठ कर तैयार करनी चाहिए। अभिभावक भी परीक्षा से पहले विद्यार्थियों में आत्मविश्वास जगाएं।

पीडीएम पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल सुमन हुड्डा का कहना है कि परीक्षा के दिनों में बच्चों पर पढ़ाई का तनाव हावी रहता है। चाहे वे अपनी पूरी तैयारी कर लें, उनके मन पर एक तनाव हावी होता ही है। तनाव से बचकर ही विद्यार्थी अपना बेस्ट रिजल्ट दे पाएंगे। परीक्षाओं के दिनों में रिलेक्स रहना सबसे पहली जरूरत है। इसलिए अच्छी परीक्षा के लिए रेगुलर पढ़ाई करें, सही तरीके से सोएं। परीक्षाएं चैलेंज है, इस चुनौती को स्वीकार करें।

उमंग उत्सव की हुई शुरूआत विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

- पंजाबी एकल नृत्य में दीपिका ने प्रथम, मीनाक्षी ने द्वितीय तथा प्रिया ने तृतीय स्थान हासिल किया

राजकीय महाविद्यालय मातनहेल में वसंत ऋतु के आगमन पर सांस्कृतिक कमेटी द्वारा दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम उमंग की शुरूआत की गई। प्राचार्य डॉक्टर विजय सिंह यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए एकल नृत्य, एकल गायन, कविता पाठ, भक्ति गायन, समूह गायन, मिमिक्री, नाटक व समूह नृत्य जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कमेटी संयोजिका दीक्षा ने बताया कि पहले दिन आयोजित कार्यक्रम के दौरान पंजाबी एकल नृत्य में दीपिका ने प्रथम, मीनाक्षी ने द्वितीय तथा प्रिया ने तृतीय स्थान हासिल किया। फॉक डांस में बीएससी प्रथम वर्ष की मीनाक्षी को पहला, बीए तृतीय वर्ष की मीनाक्षी को दूसरा व मोनिका को तीसरा स्थान मिला। रागिनी प्रतियोगिता में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रतिज्ञा प्रथम रही। हरियाणवीं कविता पाठ में शीतल, हिंदी कविता पाठ में साक्षी, पंजाबी कविता पाठ में खुशी तथा उर्दू कविता पाठ में हिमानी को पहला स्थान मिला।

एकल गायन में हिमानी और गजल एवं भजन प्रतियोगिता में मीनाक्षी पहले स्थान पर रही। समूह नृत्य में शीतल व मीनाक्षी की टीम ने पहला पुरस्कार जीता। पहले दिन के विजेता प्रतिभागियों को प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नेशनल गेम्स में पहलवान दिनेश ने जीता गोल्ड

बहादुरगढ़। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों की कुश्ती प्रतियोगिता में झज्जर जिले का दिनेश उर्फ गोलिया पहलवान भी छाया रहा। दिनेश ने हेवीवेट 125 किलोग्राम भारवर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। पहलवान दिनेश की जीत पर परिजनों और कुश्ती प्रेमियों ने खुशी जताई है। दिनेश धनखड़ उर्फ गोलिया पहलवान झज्जर जिले गांव गोयला कलां का रहने वाला है। गोधड़ी अखाड़े में अभ्यास करता है। पिछले काफी समय से 125 किलोग्राम भारवर्ग में दमदार प्रदर्शन कर रहा है। देशी दंगलों में बड़ी कुश्तियां जीत रहा है। वहीं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मेडल जीत चुका है। पिछले दिनों बैंगलोर में हुई सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में भी इसने गोल्ड जीता था। अब एक बार फिर उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में सर्विसेज की ओर से खेलते हुए गोल्ड मेडल जीता। पहलवान दिनेश ने अपनी जीत का श्रेय गुरुजनों और परिजनों को दिया है। दिनेश का कहना है कि भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करना उसका प्रयास रहेगा। देश के लिए ओलंपिक स्तर पर पदक जीतना उसका सपना है।

दिनेश धनखड़

प्लेसमेंट ड्राइव में ट्रेनी पदों के लिए छात्र चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- उप प्रधानाचार्य डॉ. नवीन कुमार, प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. राजीव गोयल ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई

बहादुरगढ़। संस्था के पदाधिकारियों व कंपनी अधिकारियों के साथ चयनित विद्यार्थी।

सत कबीर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में थ्री-टी ऑटो लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कंपनी के अधिकारी अजय विक्रम सिंह ने साक्षात्कार के आधार पर फाइनल ईयर के विद्यार्थियों का चयन किया। कंपनी द्वारा दो छात्रों केशव व रक्षित को ट्रेनी पदों के लिए चयनित कर नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए। संस्था के प्रधान डॉ. हरकिशन छिल्लर व सचिव दयाकिशन छिल्लर ने कंपनी अधिकारियों का कॉलेज में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमारे छात्रों की सफलता पर हमें बहुत गर्व है। उप प्रधानाचार्य डॉ. नवीन कुमार, प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. राजीव गोयल ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कॉलेज प्रबंधन ने आगे भी इस तरह के आयोजन करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर मनोज टांडाहेड़ी, मीनाक्षी, ललित, डॉ. मंजू, रितु, रेनू, सुमिरन, हीरालाल, मुकेश, तरुण, मोहित, डॉ. नविता, पुनीत, मोनिका, स्वीटी, अनीता, हरिओम, निशांत, देवेंद्र, हिमांशु व अमित तेहलान आदि मौजूद रहे।

H.D. SR. SEC. SCHOOL
Salhawas (Jhajjar)

हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत सिंह कपूर ने किया एच.डी. के बच्चों को सम्मानित

रोड़ सैफ्टी क्विज में पूरे हरियाणा में एचडी साल्हावास प्रथम

कक्षा 1-5 वर्ग में लक्ष्या मोर पुत्री जितेन्द्र रेदूवास, सिया पुत्री बिजेन्द्र हुमायूंपूर, अरनाया पुत्री गजेन्द्र एनटीपीसी झाड़ली रही राज्य में प्रथम स्थान पर

कक्षा 9-12 वर्ग में प्रियांशु पुत्री संदीप जाखड़ धनीरवास, अंकिता जाखड़ पुत्री कुलवीर सुंदरहेटी व छवि पुत्री राजेश शर्मा कोसली रही राज्य में तृतीय स्थान पर

छात्रा अनुज व हीना होंगी राज्यपाल से सम्मानित

राज्य स्तरीय बाल भवन क्विज प्रतियोगिता में पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान हासिल किया। विद्यालय ने किया 3100-3100 रुपए देकर सम्मानित

रोड सैफ्टी क्विज प्रतियोगिता में 22 जिलो को पछाड़कर एच.डी. साल्हावास प्रथम

रोड सैफ्टी क्विज प्रतियोगिता में पूरे हरियाणा में एच.डी. साल्हावास का वर्ग-1 (पहली से पॉचवीं) 22 जिलों को पछाड़कर प्रथम स्थान पर रहा। वहीं वर्ग-3 (नौवीं से बारहवीं) ने पूरे हरियाणा में तृतीय स्थान प्राप्त किया और अब पूरे हरियाणा में दो वर्गों पर कब्जा करने वाला झज्जर जिले का एकमात्र स्कूल आपका अपना एच.डी. साल्हावास है।

बाल महोत्सव कार्यक्रमों में भी एच.डी. के बराबर कोई नहीं

बाल भवन की प्रतियोगिताओं में लगातार 13वीं बार पूरे झज्जर में प्रथम स्थान पर रहकर एच.डी. साल्हावास जिला चैंपियन बना है। राज्य स्तरीय बाल महोत्सव में पूरे हरियाणा में 8 प्रतियोगिताओं पर कब्जा करके अनूठा इतिहास रचा है। विद्यालय के 42 विद्यार्थी राज्यपाल से सम्मानित होना क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

क्विज स्पर्धाओं में पूरे हरियाणा में एच.डी. के छात्रों का वर्चस्व कायम

राज्य स्तरीय क्विज स्पर्धा में एच.डी. की छात्राओं हीना खानपुर और अनुज झांसवा ने पूरे हरियाणा में द्वितीय स्थान प्राप्त करके झज्जर जिले का गौरव बढ़ाया है। इन दोनों छात्राओं का जिले व जोनल स्तर पर कोई मुकाबला नहीं था। अब ये दोनों छात्राएं हरियाणा राज्यपाल से सम्मानित होकर झज्जर जिले का नाम रोशन करेंगी।

SCHOOL WITH INTEGRATED COACHING
IIT-JEE | NEET | NDA | MNS | VVM | CUET | CLAT | CA | CS

Experience the best in schooling – Appear for
ADMISSION CUM Scholarship Test for admission in Nur. to 12th

WIN PRIZES

Transport Facility Call : 9812535253

SUNDAY 23rd Feb. 2025

For Registration : Call : 8053182748

Time : 10:00AM to 12:00 PM

Director - 9416056085 Principal - 9753456879 Reception - 8053182748
www.hdsalhawas.co.in | email: hdschool.salhawas@gmail.com

टेक्नो-नॉलेज / शिखर चंद जैन

हर बच्चे को गेम्स खेलने में मजा आता है। कितना अच्छा हो, अगर स्कूल के क्लासरूम में भी पढ़ाई के बजाय कोई गेम खेलने को कहा जाए और इसी के साथ-साथ खेल में स्टडी-लर्निंग भी हो जाए। सोचकर देखो, कितना मजा आएगा! ऐसा हो सकता है, 'गेमिफिकेशन' के जरिए। जानो, गेमिफिकेशन के बारे में।

गेमिफिकेशन खेल-खेल में स्टडी

बच्चों, कितना मजा आए, अगर तुम्हें क्लास में किताबें खोलकर लेसन पढ़ने या टीचर का लेक्चर सुनने की बजाय पजल सॉल्व करने, कोड, डिकोड करने और गेम खेलकर कोई टारगेट अचीव करने का टास्क दिया जाए। तुम सोच रहे होगे, यह कैसे संभव है, यह तो कोरी कल्पना है। भला स्कूल में गेम कैसे खेल सकते हैं? ऐसा हुआ तो सिलेबस कैसे कंप्लीट होगा? डॉट वरी बच्चों, अब लर्निंग और टीचिंग का नया कॉन्सेप्ट आ चुका है- गेमिफिकेशन। इससे करिकुलम में गेम एलिमेंट डालकर क्लासरूम को इंटरेस्टिंग और एक्साइटिंग बनाया जा रहा है। बच्चों, जानो इस बारे में।

क्या है गेमिफिकेशन

एजुकेशन फील्ड में गेमिफिकेशन एक बहुत बड़ा कदम है। शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने मिलकर इसके माध्यम से बच्चों में क्रिएटिविटी बूस्ट करने, उन्हें मोटिवेट करने और सीखने के लिए प्रेरित करने वाला काम किया है। बच्चों, गेमिफिकेशन को किसी वीडियो गेम की तरह डिजाइन किया गया है। इसमें तुम बड़े ही मजेदार ढंग से खेल-खेल में नई और ज्ञानवर्धक बातें सीख सकते हो।

कैसे प्रचलन में आया गेमिफिकेशन टर्म

ब्रिटिश कंप्यूटर प्रोग्रामर और आविष्कारक निक पेलिंग ने 2002 में 'गेमिफिकेशन' शब्द गढ़ा था। उस समय वे कमर्शियल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के लिए गेम जैसे इंटरफेस तैयार कर रहे थे। साल 2010 में इस शब्द को व्यापक रूप से अपनाया गया। पेलिंग ने उद्योग, व्यापार और शिक्षा के लिए उपकरण के रूप में इन-गेम मैकेनिक्स की क्षमता और व्यावहारिकता को देखा। जैसे-जैसे 'गेमिफिकेशन' लोकप्रिय होता गया, इसके अनेक उपयोगों को रेखांकित करने वाले आर्टिकल्स पब्लिश होने लगे। इसके बाद इसे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनाया जाने लगा।

इंटरेस्टिंग लर्निंग प्रोसेस

गेमिफिकेशन के माध्यम से लर्निंग का प्रोसेस इतना इंटरेस्टिंग होता है कि तुम इसमें पूरी तरह इन्वॉल्व हो जाओगे। हर स्टेप को कंप्लीट करने के बाद जब तुम्हें रिवॉर्ड्स और प्वॉइंट्स मिलेंगे, तो तुममें सीखने का नया जोश आएगा। गेमिफिकेशन के माध्यम से साइंस, मैथ्स जैसे कठिन विषयों को तुम आसानी से समझ सकोगे।

आएगा होमवर्क करने में भी मजा

अकसर बच्चों को होमवर्क करना बोरिंग लगता है। लेकिन गेमिफिकेशन के माध्यम से होमवर्क भी इंटरेस्टिंग लगने लगता है। स्कूल से मिला हुआ टास्क तुम्हारे लिए एडवेंचरस गेम बन जाता है। गेमिफिकेशन के दौरान अगर तुम कोई स्टेज चूक जाते हो या किसी प्रॉब्लम को सॉल्व नहीं कर पाते, तो तुम्हें अपनी गलती के बारे में बताया जाता है। आगे अपना टास्क कंप्लीट करने के लिए गाइड भी किया जाता है। यह कंप्लीट प्रोसेस बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धक होता है।

डेवलप होते हैं ये स्किल्स

गेमिफिकेशन के अंतर्गत क्लासरूम या घर में टास्क या पजल्स सॉल्व करते समय या फिर कोड को डिकोड करते समय तुम्हें दिमाग पर जोर डालना पड़ता है। इससे तुम्हें क्रिटिकल और शार्प थिंकिंग की ट्रेनिंग मिलती है। दोस्तों के साथ गेम खेलते हुए सीखना तुम्हारे मन में कॉम्पिटिशन का भाव जगाता है। इससे तुम्हें जीतने की प्रेरणा मिलती है। गेमिफिकेशन के अंतर्गत कुछ गेम्स, तुम्हें खेलने का तरीका चुनने की आजादी देते हैं। इससे तुम अपने तरीके से गेम खेल सकते हो और सीख सकते हो। गेमिफिकेशन में तुम्हें जीतने के कई प्रयास करने की छूट मिलती है, इसे तुम तब तक खेल सकते हो, जब तक कि जीत न जाओ। इसमें जीतने के बाद तुम्हारा कॉन्फिडेंस बूस्ट होता है। *

गेमिफिकेशन के पांच फायदे

बच्चों, गेमिफिकेशन के मुख्य रूप से पांच फायदे हैं। इनके बारे में भी तुम्हें जानना चाहिए-

सेल्फ असेसमेंट: गेमिफिकेशन के जरिए तुम्हें अपनी प्रोग्रेस पर नजर रखने में मदद मिलती है। किसी कारणवश अगर तुम इसे बीच में डिस्कंटीन्यू भी कर देते हो, तो दोबारा लॉग इन करते ही तुम्हारा टास्क या गेम वहीं से शुरू हो जाता है, जहां तुमने इसे छोड़ा था।

इमर्शन: आजकल 3 डी गेमिंग काफी पॉपुलर है। इस गेम को खेलने वाला कंटेस्टेंट या स्टूडेंट पूरी तरह से गेम में डूब जाता है, और खुद को एक अलग ही दुनिया में पाता है, जहां सिर्फ एंटरटेनमेंट और लर्निंग का ही माहौल होता है।

कॉम्पिटिशन: गेमिफिकेशन से परस्पर कॉम्पिटिशन की भावना जागृत होती है। जब कोई कंटेस्टेंट ज्यादा रिवॉर्ड और बैज हासिल करता है, तो अन्य कंटेस्टेंट्स के मन में भी कड़ी मेहनत करने की इच्छा होती है।

इंटर एक्टिविटी: गेमिफिकेशन के दौरान स्टूडेंट्स आपस में डिस्कशन करते हैं। साथ ही पार्टिसिपेंट्स सिस्टम के साथ भी संवाद कर सकते हैं और दी गई जानकारी का उपयोग टारगेट अचीव करने में कर सकते हैं।

फोकस: गेमिफिकेशन एक इंटरेस्टिंग एक्टिविटी है। इसमें तुम बोर नहीं होते और न ही तुम्हारा ध्यान इधर-उधर भटकता है। इससे तुम्हारा कंसंट्रेशन लेवल बढ़ता है।

इंटरेस्टिंग इंफॉर्मेशन / नयनतारा

बच्चों, एक समय तक समुद्र या नदी की गहराइयों में इंसान का जाना आसान नहीं होता था। लेकिन एक्वालंग के आविष्कार के बाद पानी की गहराई में जाना आसान हो गया। जानो, क्या होता है एक्वालंग? इसका आविष्कार कब, किसने किया और यह कैसे काम करता है?

एक्वालंग से आसान हुई अंडर वाटर एक्टिविटी

बच्चों, इंसान हमेशा से ही पानी के भीतर की दुनिया के बारे में जानने को जिज्ञासु रहा है। लेकिन कुछ दशक पहले तक पानी के भीतर जाना आसान नहीं होता था। पानी के भीतर घटता-बढ़ता दबाव एक बड़ी समस्या थी। पानी के अंदर मूवमेंट करना भी बहुत मुश्किल था। इन सबसे भी बड़ी समस्या यह थी कि पानी के अंदर सांस लेने के लिए हवा कैसे मिले? इस समस्या से निपटने के लिए एक्वालंग का आविष्कार किया गया। इस आविष्कार के बाद पानी के भीतर जाना काफी आसान हो गया। एक्वालंग का आविष्कार कैप्टन जैक-य्वेस कौस्टेयू और एमिले गैगनन ने 1943 में किया था। एक्वालंग की वजह से अंडरवाटर वर्ल्ड के सारे रहस्य खुल गए।

पहले ऐसे होती थी अंडर-वाटर एक्टिविटी: बच्चों, एक्वालंग के आविष्कार से पहले भी लोग अंडर वाटर एक्टिविटीज करते थे। लेकिन ऐसा करना बहुत ही मुश्किल होता था। तब एयर सप्लाई के साथ कुछ प्रशिक्षित व्यक्ति ही डाइव करते थे, वह भी जटिल, वजनी डीप-सी सुइट्स और हेल्मेट्स के साथ। इनमें हाई-प्रेशर एयर लाइंस होती थीं, जो सतह से जुड़ी होती थीं। इतने सारे जटिल इक्विपमेंट्स के साथ डाइविंग बहुत मुश्किल होता था।

क्या होता है एक्वालंग: एक्वालंग एक ऐसा इक्विपमेंट है, जो पानी के अंदर की गतिविधियों को आसान बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह पहले इस्तेमाल किए जा रहे भारी-भरकम इक्विपमेंट की तुलना में कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल होता है। जिससे अंडर वाटर एक्टिविटीज में इसका इस्तेमाल करना काफी आसान है।

कैसे काम करता है एक्वालंग: डाइविंग से पहले, डाइवर्स की कमर पर एक हाई-प्रेशर सिलिंडर स्ट्रैप कर दिया जाता है, जिससे उन्हें नियमित एयर सप्लाई मिलती रहती है। एयर सिलिंडर से डिमांड रेग्युलेटर जुड़ा होता है, जो सांस लेने वाली हवा को उसी प्रेशर का कर देता है, जो आस-पास के पानी का प्रेशर होता है। इसे एडजस्ट करने के लिए वॉल्व नहीं होते हैं। डाइवर को सिर्फ सांस लेनी होती है। गहराई चाहे जितनी हो एक्वालंग से एकदम सही प्रेशर मिलता है। इससे सांस लेना उतना ही ऑटोमेटिक और नेचुरल हो जाता है, जितना कि जमीन पर होता है।

एक्वालंग के आविष्कार के बाद स्कूबा डाइविंग तेजी से पूरी दुनिया में पॉपुलर हो गई और डाइविंग को आसान बनाने के लिए एक्वालंग के अलावा कई अन्य उपकरण भी बनाए जाने लगे। *

तुम्हारे लिए नई किताब

सबक सिखाती ईरानी कहानियां

बच्चों, जैसे तुमको अपने दादा-दादी, नाना-नानी से प्यारी-प्यारी कहानियां सुनना या स्टोरी बुक्स से कहानियां पढ़ना अच्छा लगता है, वैसे ही दुनिया भर के अन्य देशों के बच्चे भी बड़े चाव से कहानियां पढ़ते-सुनते हैं। कुछ समय पहले ही एक नई किताब 'ईरानी बच्चों की कहानियां' छपकर आई है। इसमें तुम ईरान देश में रहने वाले बच्चों के बीच लोकप्रिय चौदह कहानियों का हिंदी अनुवाद पढ़ सकते हो। इन कहानियों में तुमको अपने जैसे नटखट, समझदार बच्चों समेत बकरी, डॉगी, डंकी, हाथी, भेड़िए आदि की कहानियां भी पढ़ने को मिलेंगी। 'बकरी का बच्चा' एक बहादुर लेकिन नासमझ बकरी के बच्चे की कहानी है, जिसे मुसीबत में फंसने पर अपनी गलती का अहसास होता है। 'आजादी' कहानी में गुलाम रहने की तकलीफ और आजादी से अपना जीवन जीने की महत्ता को एक जंगली डॉगी की कहानी के जरिए बताया गया है। इसी तरह 'चोर और संत' कहानी बताती है कि जो लोग सज्जन होते हैं, मुसीबत में उनकी मदद को सभी तैयार रहते हैं। 'किस्सा घड़ी की सुई का', 'हवा और पतंग', 'सींग की तलाश' कहानियां भी तुम्हें अच्छी लगेंगी। इस किताब की सभी कहानियां तुम्हारा मनोरंजन तो करेंगी ही, तुम्हें जरूरी सबक भी सिखाएंगी। इनको पढ़ते हुए तुम्हें लगेगा जैसे तुम अपने देश में प्रचलित 'पंचतंत्र' या 'हितोपदेश' की कहानियां पढ़ रहे हो। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे किसी भी देश के क्यों न हों, सब एक जैसे ही होते हैं। सब बच्चों को पढ़ाई करना, खेलना, हंसना और कहानियां पढ़ना पसंद होता है।

-विज्ञान भूषण

किताब: ईरानी बच्चों की कहानियां, **अनुवादक:** राजेश सरकार, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

सबको बांटो प्यार

बच्चों ने वैलेंटाइन-डे के मौके पर जब बाजार में एक अलग ही रौनक का माहौल देखा तो उन्होंने भी तय किया कि वे भी कुछ अलग ढंग से वैलेंटाइन-डे सेलिब्रेट करेंगे। इस मौके पर बच्चों ने जिस तरह, जिन लोगों के बीच जाकर प्यार बांटा, वह सचमुच बहुत अनोखा था।

कहानी

अलका जैन 'आराधना'

इधर कई दिनों से रोहन, सान्वी, आयुष और मिष्टी स्कूल से लौटते समय बाजार में जगह-जगह दुकानों पर दिल के आकार के गुब्बारे और रेड पैक में गिफ्ट आइटम्स सजे देख रहे थे। सान्वी उत्सुकता से बोली, 'हर जगह इस तरह दिल-दिल के आकार में रेड आइटम्स दुकानों में क्यों सजे हैं? क्या कोई फेस्टिवल आने वाला है?'

आयुष हंसते हुए बोला, 'हां, बड़ा फेस्टिवल आ रहा है- वैलेंटाइन-डे।'

रोहन कुछ गंभीर स्वर में बोला, 'फेस्टिवल तो सब अच्छे होते हैं। दिवाली पर दिये जलाते हैं, होली पर रंग खेलते हैं। लेकिन वैलेंटाइन-डे तो बच्चे नहीं मनाते हैं। यह तो बड़े मनाते हैं। हमारा वैलेंटाइन-डे से कोई लेना-देना नहीं है।'

मिष्टी गोल-गोल आंखें घुमाती हुई बोली, 'क्यों नहीं लेना-देना है? हम बच्चे भी अपने ढंग से वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं। हमारे आस-पास बहुत से ऐसे लोग हैं, जिनसे हम प्यार पाते हैं या हम उन्हें प्यार देते हैं। हम इनके साथ वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं। इन्हें गुलाब का फूल और कोई गिफ्ट दे सकते हैं।' चारों बच्चों ने एक-दूसरे की तरफ देखा और उत्साह से भर उठे। सान्वी खुश होकर बोली, '...तो इस बार हम भी वैलेंटाइन-डे अपने तरीके से मनाएंगे!'

आयुष हां में हां मिलाते हुए बोला, 'हां, हम ऐसे ही एक यादगार वैलेंटाइन-डे मनाएंगे, जो सबको पसंद आए।'

रोहन ने पूछा, 'लेकिन हम करेंगे क्या...'

मिष्टी ने कुछ सोचा और उछल कर बोली, 'सुनो! हम उन लोगों के लिए कुछ करेंगे, जो हर दिन हमारे लिए मेहनत करते हैं, जैसे- दूध और अखबार वाले अंकल, कॉलोनी के गार्ड अंकल और हमारे घर में काम करने वाली मेड।' सान्वी झट से बोली, 'हम अपने दादा-दादी, नाना-नानी को भी इस अवसर पर न भूलें, वे हमें कितना प्यार करते हैं, हमारा ख्याल रखते हैं। इनको भी गुलाब का फूल देकर थैंक्स बोलेंगे। साथ ही हम पास के ओल्ड एज होम के दादाजी-दादीजी के पास भी जाएंगे, ये लोग हमेशा हमें हंसाते हैं।' आयुष चहक कर बोला, 'तो तय रहा! हम वैलेंटाइन-डे पर इनके पास जाएंगे, इन्हें गुलाब का फूल देंगे, इनके लिए कुछ और भी खास करेंगे।'

अगले दिन चारों अपने-अपने गुल्लक लेकर मिष्टी के घर पहुंचे। सभी बहुत उत्साहित थे। रोहन गुल्लक रखते हुए बोला, 'यह रहा मेरा खजाना। पिछले साल से जमा कर रहा हूं।'

सान्वी बोली, 'मेरा गुल्लक चॉकलेट के पैसों का है।' आयुष ने खिलखिला कर हंसते हुए कहा, '...और ये मेरा आइसक्रीम फंड है।' मिष्टी बोली, '...और मेरी गुल्लक में दिवाली-होली के ईनाम के पैसे हैं। चलो, गिनती शुरू करें।'

सभी ने गुल्लक में जमा किए सिक्के और नोट गिनने शुरू किए। इन्हें गिनने के बाद सब एक साथ बोले, 'अरे वाह...! इतने में तो हम बहुत अच्छे से अपना काम कर सकते हैं। वैसे भी हम यह काम अपने मम्मी-पापा की परमिशन से ही कर रहे हैं। वे भी बहुत खुश हैं, हमारे इस शानदार आइडिया के बारे में जानकर। उन्होंने भी अपनी तरफ से कंट्रीब्यूट करने का वादा किया है।'

अगले दिन सभी बच्चे बाजार गए। बाजार सजावट और रौनक से भरा हुआ था। रोहन एक मग उठाते हुए बोला, 'यह दूध वाले अंकल के लिए। इस पर लिखा है, 'बेस्ट मॉर्निंग फ्रेंड।' आयुष पेन सेट दिखाते हुए बोला, 'अखबार वाले अंकल के लिए।'

सान्वी एक सुंदर स्टोल उठाते हुए बोली, 'यह कामवाली बाई के लिए। वह हमेशा कहती हैं, सादगी में ही खूबसूरती है।'

मिष्टी एक टॉर्च उठाते हुए बोली, 'गार्ड अंकल के लिए... वह रातभर ड्यूटी करते हैं, ताकि हमारे घर सेफ रहें।'

इसके अलावा बच्चों ने ओल्ड एज होम के दादाजी-दादीजी के लिए गर्म शॉल खरीदा। सबसे बाद में बच्चों ने ढेर सारे गुलाब के फूल भी खरीदे।

वैलेंटाइन-डे की सुबह बच्चे गिफ्ट और गुलाब के फूल लेकर सबके घर गए। सबने उन्हें धन्यवाद दिया और बहुत खुश हुए, क्योंकि उनके बारे में लोग ज्यादा कुछ सोचते नहीं हैं।

शाम को बच्चे ओल्ड एज होम के दादाजी-दादीजी को गिफ्ट देने पहुंचे। मिष्टी और दूसरे बच्चों ने दादाजी-दादीजी के पांव छूकर कहा, 'दादाजी, दादीजी, यह आपके लिए और साथ में हमारे हाथ से बना यह कार्ड। बच्चों ने दादाजी-दादीजी के साथ केक काटा और सबने मिलकर खूब मस्ती की।'

घर लौटते हुए चारों बच्चे बहुत खुश थे। उन्होंने सबके साथ प्यार बांटकर वैलेंटाइन-डे जो अनोखे तरीके से मनाया था। *

कविता

फहीम अहमद

डाकिया अंकल

अहा, डाकिया अंकल आए
लेकर चिट्ठी और किताब।।
घर-घर में चिट्ठी पहुंचाना
है अंकल का प्यारा पेशा।
ले आते पापा की खातिर,
जब-तब खुशी भरा संदेशा।
पढ़ते ही पापा का मुखड़ा
लगता जैसे खिला गुलाब।।
कंधे पर लटकाए थैला,
चेहरे पर मुस्कान अनूठी।
सर्दी, गर्मी हो या बारिश
नहीं भूलते अपनी ड्यूटी।
दरवाजे पर दस्तक देकर,
करते राम-राम, आदाब।।
गली, मुहल्ले के हर घर से,
उनकी है पहचान पुरानी।
थैले में भर ले आते हैं,
हर दिन कोई नई कहानी।
खूब दुआएं पाते हैं वे,
जिसका कोई नहीं हिसाब।।

जीके क्विज-141

1. अभी हाल ही में घोषित दिल्ली विधान सभा चुनाव परिणामों में किस राजनीतिक दल को बहुमत प्राप्त हुआ है?
2. किस क्रिकेट खिलाड़ी ने पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया?
3. अमेरिका के बाद किस देश ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अलग होने की घोषणा की है?
4. सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?
5. महावीर स्वामी का मूल नाम क्या था?
6. स्वतंत्र भारत के प्रथम कृषि मंत्री कौन थे?
7. कौन-सा रंग रेनबो के बीच में दिखाई देता है?
8. जीवाणु (बैक्टीरिया) की खोज किसने की थी?
9. कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
10. 'लौकनायक' के नाम से किसे जाना जाता है?

बच्चों, जीके क्विज-140 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-140 का उत्तर : 1.उत्तर प्रदेश, 2.डिब्रूगढ़, 3.लद्दाख और जम्मू कश्मीर, 4.निर्मला सीतारमण, 5.ऑस्मियम, 6.वुलर झील, 7.किडनी, 8.स्कॉटलैंड, 9.मैलिक एसिड, 10.ग्रीनलैंड

जीके क्विज-140 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, श्वेता-बिलासपुर, रमेश-कोरबा, ज्योति-रायगढ़, गुंजा-रायपुर, शुभम-बलौदा बाजार, खुशबू-दुर्ग, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, काम्या-महासमुंद

अंतर बताओ

बच्चों, यहां एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। लेकिन इनमें सात अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

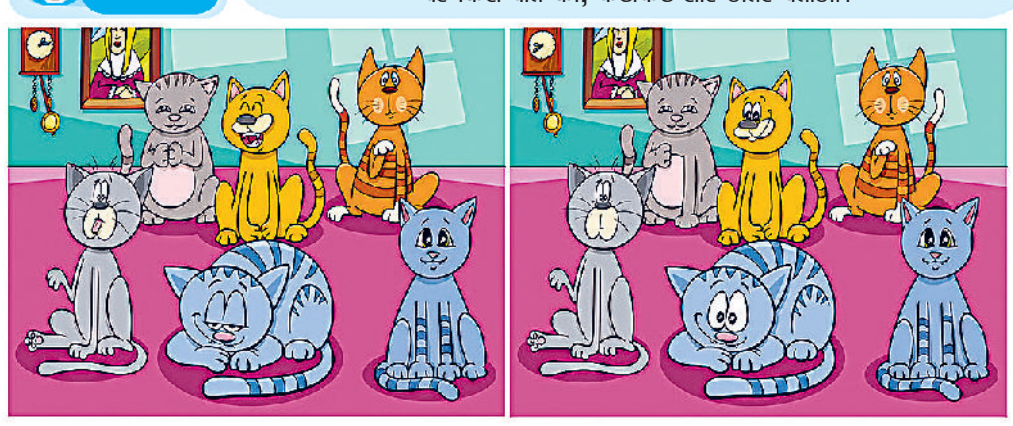

उत्तर: 1.दीवार पर लगी क्लॉक में अलग टाइम हो रहा है। 2.पीछे बाईं तरफ बैठी बिल्ली के दोनों अगले पंजे आपस में जुड़े हुए नहीं हैं। 3.पीछे बीच में बैठी बिल्ली हंस नहीं रही है। 4.पीछे दाईं तरफ बैठी बिल्ली की पूंछ दूसरी तरफ दिख रही है। 5.आगे बाईं तरफ बैठी बिल्ली की जीभ अंदर है। 6.बीच में लेटी हुई बिल्ली की दोनों आंखें खुली हुई हैं। 7.आगे दाईं तरफ बैठी बिल्ली के बाएं पैर में कम धारियां हैं।

एक जैसे दो चित्र ढूंढ़ो

बच्चों, यहां कई बच्चों के चित्र दिए गए हैं। इनमें से दो चित्र बिल्कुल एक जैसे हैं। बाकी चित्रों में कोई-न-कोई अंतर जरूर है। तुम एक जैसे दिखने वाले दो चित्रों को पहचान कर, उसको पेंसिल से गोलाकार घेर दो।

खबर संक्षेप

डीसी ने सभी विभागों को एक सप्ताह में वीसी कक्ष स्थापित करने के दिए निर्देश

झज्जर। वीरवार को लघु सचिवालय में वीसी कक्ष स्थापित करने की सरकार की नीति को अमलीजामा पहनाने के लिए डीसी प्रदीप दहिया ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि सरकार ने त्वरित न्याय के सिद्धांत को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए न्यायिक प्रक्रिया में डिजिटल प्रणाली को अपनाने का क्रांतिकारी निर्णय लिया है। इसके तहत विभागों से संबंधित विवादों में वीसी के माध्यम से माननीय न्यायालयों में गवाही व उपस्थिति दर्ज हो सकेगी। इससे माननीय अदालतों में अधिकारियों के आवागमन का समय बचेगा, न्यायिक प्रक्रिया में और गतिशीलता आएगी। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के अंदर वीसी कक्ष स्थापित करें और सरकार द्वारा तय मानकों के अनुसार सभी प्रक्रिया पूरी करें। यह कार्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है।

झज्जर। स्टेम मेले में तैयार किए गए विशेष उपकरणों के साथ छात्राएं। *फोटो : हरिभूमि*

स्टेम मेले में छात्राओं ने तैयार किए विशेष उपकरण

झज्जर। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दूबलधन में एक दिवसीय स्टेम मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक सुखबीर सिंह ने बताया कि इस मेले में छठी से आठवीं कक्षा तक की छात्राओं ने भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विज्ञान विषय पर आधारित इस मेले में छात्राओं ने विभिन्न प्रकार उपकरण तैयार उनकी प्रदर्शनी लगाई। मेले की विजेता छात्राओं को स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा सम्मानित किया। इस मौके पर स्कूल इंचार्ज सुनीता, मुन्नी देवी, देवेंद्र, जोगेंद्र, जितेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुषमा देवी, गीता, मोनिका सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। विदाई समारोह में शिक्षकों के साथ मौजूद विद्यार्थी।

समारोह में दी बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को विदाई

झज्जर। वीरवार को कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यार्थियों ने हवन में आहुति डाली। इस दौरान विद्यालय निदेशक धर्मेंद्र जून ने विद्यार्थियों से कहा कि यह समय एक नए अध्याय की शुरुआत का है, जहां रास्ते में अनेक चुनौतियां होंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इस संस्थान के विद्यार्थी अपनी बौद्धिक क्षमता और आत्मविश्वास के साथ हर कठिनाई को पार कर सकते हैं। विद्यालय प्राचार्य विनोद कुमार ने स्कूल से विदा होने वाले विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विदाई पार्टी के दौरान विद्यार्थियों के बीच मिस फेयरवेल व मिस्टर फेयरवेल का चुनाव भी किया गया।

झज्जर। वर्कशॉप के दौरान सीएमओ डॉक्टर ब्रह्मदीप सिंह के साथ मौजूद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन पदाधिकारी व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

अल्ट्रासाउंड कराने से पहले देने होंगे सही दस्तावेज : सीएमओ

पीसी पीएनडीटी एक्ट के अंतर्गत जिला कॉन्फ्रेंस हाल में आयोजित वर्कशॉप में सीएमओ ने दिए-निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पीसी पीएनडीटी एक्ट व अन्य कार्यक्रमों को लेकर जिला कांफ्रेंस हाल में सीएमओ डॉक्टर ब्रह्मदीप सिंह की अध्यक्षता में वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन झज्जर के पदाधिकारी, प्राइवेट हॉस्पिटल एवं सभी अल्ट्रासाउंड सेंटर्स के संचालकों ने भाग लिया। पीएनडीटी नोडल अधिकारी डॉक्टर संदीप कुमार ने वर्कशॉप में मौजूद संचालकों को सरकार के नए नियमों से अवगत कराते हुए बताया कि अब गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा। पंजीकरण उपरांत गर्भवती महिला को एक आरसीएच आईडी दी जाएगी जिसे संबंधित अल्ट्रासाउंड सेंटर पर साथ लेकर होगा। इसके लिए अल्ट्रासाउंड सेंटर को भी गर्भवती महिला के बाकी रिकॉर्ड के साथ-साथ आरसीएच का रिकॉर्ड भी रखना होगा। इस दौरान जिला टीबी नियंत्रण अधिकारी डॉक्टर कुणाल ने प्राइवेट अस्पतालों एवं लैब संचालकों को टीबी मरीजों का निक्षय पोर्टल द्वारा नोटिफिकेशन करने बारे निर्देश दिए। डिप्टी सीएमओ डॉक्टर संदीप गुरान ने बताया कि सरकार की नई योजना के अंतर्गत अब यदि कोई व्यक्ति प्रदेश में सड़क दुर्घटना में घायल होता है तो आयुष्मान इंपैनल्ड प्राइवेट हॉस्पिटल से डेढ़ लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त ले सकता है, जिसके लिए व्यक्ति को आयुष्मान कार्ड की भी आवश्यकता नहीं होगी। इसी प्रकार डिप्टी सीएमओ डॉक्टर सुनील नरवाल ने जहां पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट की हिदायत अनुसार एमएलआर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मेडलीप्र पोर्टल के माध्यम से बनाने एवं पुलिस को ऑनलाइन रुक्का भेजने बारे निर्देश दिए वहीं जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉक्टर बसंत दूबे ने प्राइवेट हॉस्पिटल में जन्म लेने बच्चों को पैदा होते ही लगने वाली वैक्सीन बीसीजी, पोलियो व हेपेटाइटिस का शत-प्रतिशत टीकाकरण करने के निर्देश दिए।

सीवरेज लाइन की डीपीआर शहर की नई कॉलोनियों में तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आगामी बरसात के सीजन में रिहायशी क्षेत्रों में जलभराव से नागरिकों को परेशानी ना हो और फसलों को भी कोई नुकसान ना हो इसको लेकर डीसी प्रदीप दहिया ने आपदा प्रबंधन के तहत बाढ़ नियंत्रण उपायों से जुड़े प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सैनी, सिंचाई और जन स्वास्थ्य विभाग से अधीक्षण अभियंता, पंचायती राज, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। डीसी ने बैठक में जिले में जल निकासी से जुड़े प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से उनके वर्तमान स्टेटस की जानकारी ली। इस दौरान नगर परिषद अधिकारियों ने बताया कि शहर में जिन कॉलोनियों में सीवरेज लाइन नहीं थी व नई कॉलोनियां में सीवरेज लाइन के बिछाने के लिए डीपीआर तैयार करके मंजूरी के लिए भेज दी हैं। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव के संभावित क्षेत्रों को चिन्हित किया जाए और यदि आवश्यक हो तो नए प्रोजेक्ट्स बनाकर जल निकासी की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए।

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए डीसी प्रदीप दहिया। फोटो : *हरिभूमि*

बदहाल सड़क से आवागमन मुश्किल, लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इलाके में सड़कों के सुधार की बेहद जरूरत है। बदहाल सड़कों के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है। शहर में पटेल नगर और सेक्टर-6 के बीच वाले रास्ते की हालत भी बेहद खराब है। लोगों द्वारा इसके सुधारीकरण की मांग उठाई जा रही है। दरअसल, जगह-जगह से इस रोड की स्तह उखड़ी हुई है। हालांकि गड्ढे भरने के लिए उनमें रोड़ियां भरी गई हैं। लेकिन इन रोड़ियों के कारण भी दुर्घटना का डर रहता है। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों को मुश्किलें झेलनी पड़ रही है। दिनभर धूल उड़ती रहती है। शिवम, मनोज आदि का कहना है कि कई साल से इस मार्ग की हालत खराब है। चौबीसों घंटे इस मार्ग से लोगों का आना जाना रहता है। दिनभर धूल उड़ती रहती है। आसपास के दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। फिलहाल स्थाई समाधान के बजाय रोड़ियां डाली गई हैं। ये विकल्प बेहतर नहीं है। इस मार्ग के नवीनीकरण अथवा सुधारीकरण की बहुत जरूरत है।

बहादुरगढ़। सेक्टर 6 व पटेल नगर के बीच वाले रोड पर बिखरी रोड़ियां। फोटो : *हरिभूमि*

जसोरखेड़ी में 10 लाख से बनेंगी गलियां

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून द्वारा हलके में गालियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ करने का सिलसिला जारी है। उन्होंने वीरवार को जसोरखेड़ी गांव में 10 लाख रुपये की लागत से डी-प्लान के तहत अतुल मेगा मार्ट के साथ बनने वाली दो गलियों के निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर विधिवत शुभारंभ किया। विधायक राजेश जून ने कहा कि गलियों के निर्माण कार्य में गुणवत्ता की कमी या लापरवाही किसी भी रूप में सहन नहीं होगी। उन्होंने ग्रामवासियों से भी निर्माण कार्य में लगने वाली सामग्री पर नजर रखने का अनुरोध किया। राजेश जून ने कहा कि 5 साल में बहादुरगढ़ हलका विकास में नंबर वन होगा। हलके की सभी मौजूदा समस्याओं का समाधान करने का कार्य किया जा रहा है। कई वर्षों से विकास व मूलभूत सुविधाओं में उपेक्षा का शिकार रहे बहादुरगढ़ का तेज गति से विकास कराया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व पार्षद युवराज छिल्लर, संजय जोवल के अलावा रघबीर तहलान, बल्ले, नरेश पहलवान, शमशेर, सोम पहलवान, सोमी बिल्डर, सुनील, अशोक, संजय व टीटू आदि मौजूद रहे।

खिलाड़ियों ने दिखाई खेल महाकुंभ में प्रतिभा

झज्जर। बीकेडी विद्यालय साल्हावास में दो दिवसीय खेल महाकुंभ का आयोजन किया गया। इस खेल महाकुंभ में पहली से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं की शुरूआत ब्लॉक समिति साल्हावास के चेयरमैन प्रतिनिधि हुकम सिंह, सरपंच प्रतिनिधि रामकिशन व स्कूल विदेशक जितेंद्र रोहिल्ला द्वारा की गई। पहले दिन आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में 100, 200, 800 ,1600 मीटर रेस, शॉटपुट, बाधा दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, कबड्डी, हैमर थ्रो आदि खेल कराए गए।

वीरवार को विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों के लिए भी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से लेमन स्पून रेस, म्यूजिकल चेयर, शॉटपुट, बोरी रेस और 100 व 200 मीटर की रेस शामिल रही। प्रतियोगिताओं के समापन पर सभी विजेताओं को पदक पहनाकर व उपहार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय निदेशक जितेंद्र रोहिल्ला ने बताया कि विद्यार्थियों की खेल गतिविधियों में निखार लाने के लिए प्रतिवर्ष इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

झज्जर। मीटिंग के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों व चिकित्सा अधिकारियों से चर्चा करते हुए सीएमओ डॉक्टर ब्रह्मदीप सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

टीबी मुक्त भारत अभियान को लेकर मंथन

झज्जर। टीबी मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम को लेकर सीएमओ डॉक्टर ब्रह्मदीप की अध्यक्षता में एक मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में उप सिविल सर्जन टीबी डॉक्टर सुनीता तंवर ने टीबी से संबंधित सभी इंडिकेटरों पर स्वास्थ्य संस्थाओं से आए हुए चिकित्सा अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिन स्वास्थ्य संस्थानों पर टीबी से संबंधित इंडिकेटर की परफॉर्मेंस कम है वे अगले दो दिन में इंडिकेटर को पूरा करें तथा जिन संस्थाओं पर दवाई खा रहे मरीजों का समय पर फॉलो लिया जाए एवं उनको मिलने वाली सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। इनके अलावा डब्ल्यूएचओ कंसल्टेंट डॉक्टर कृतिका बंसल, नोडल अधिकारी डॉक्टर कुणाल कादियान, डीपीएस शमशेर, पीपीएम मीनाक्षी द्वारा भी 100 दिवसीय निक्षय शिविर व टीबी मुक्त पंचायत के इंडिकेटर्स बारे जानकारी दी।

जल ही जीवन है, इसे व्यर्थ न बहाएं
बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ

जेईई मेंस में एचडी स्कूल के छात्र धीरज ने हासिल किए 99.8 परसेंटाइल

झज्जर (हरिभूमि न्यूज)। जेईई मेंस परीक्षा के घोषित परीक्षा परिणाम में एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परसेंटाइल के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की है। एचडी ग्रुप के निदेशक रमेश गुलिया ने बताया कि विद्यालय के होनहार छात्र धीरज कुमार ने जहां 99.8 परसेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का गौरव बढ़ाया वहीं हरीश ने 98.9, पायल ने 96.4, दीपांशु ने 96.2, दिशांत ने 93.6, रितिक ने 91.5 और मनन शर्मा ने 91 परसेंटाइल के साथ सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि विद्यालय के 11 विद्यार्थियों ने 90 परसेंटाइल से अधिक जबकि 19 विद्यार्थियों ने 85 परसेंटाइल से अधिक अंक लेकर परीक्षा उत्तीर्ण की। विद्यार्थियों के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर एचडी प्रबंधन समिति से रमेश गुलिया, विशाल नेहरा एवं हेमंत गुलिया ने अभिभावकों को बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

झज्जर। जेईई मेंस में सफलता हासिल करने वाले होनहार विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

झज्जर। खेल महाकुंभ के विजेता खिलाड़ियों के साथ अतिथि एवं शिक्षक। *फोटो : हरिभूमि*

जूनियर रेडक्रॉस कैंप में विद्यार्थियों को किया जागरूक

झज्जर। जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी खुम्मार में जूनियर रेडक्रॉस पांच दिवसीय कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप में 18 स्कूलों के 100 से अधिक शिक्षक व विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कैंप में आई पी कॉलेज की निदेशक डॉ. बाला धनखड़ ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को राष्ट्रीय एकता के महत्व के बारे में जागरूक किया। डॉ. प्रिंस गुप्ता ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव और परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन के उपायों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। रेडक्रॉस सहायक सचिव पवन कुमार ने रेड क्रॉस चिन्ह के सही उपयोग और उसके नियमों के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। कैंप में भाग ले रहे सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों का नागरिक अस्पताल से डॉ. प्रिया और उनकी टीम द्वारा मेडिकल चेकअप भी किया गया।

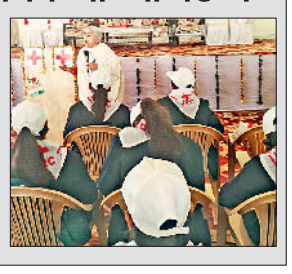

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम शुरू करने की दी जानकारी

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में रोजगार प्रकोष्ठ और उद्यमिता विकास क्लब के तत्वावधान में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम शुरू करने के लिए सरकार से मिलने वाली सहायता के संबंध में विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। रोजगार प्रकोष्ठ प्रभारी डॉक्टर श्रीकृष्ण दूहन ने बताया कि विस्तार व्याख्यान में हरियाणा सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के उप निदेशक महेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को उद्यमिता के लिए प्रेरित करते हुए सरकार की तरफ से मिलने वाली विभिन्न प्रकार की आर्थिक और अन्य मदद के बारे में जानकारी दी। इसमें प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण, उद्यम औपचारिकरण योजना और हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति के तहत मिलने वाली सहायता के बारे में बताया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर दलबीर सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अब विद्यार्थियों को नौकरियों के साथ-साथ उद्यमिता के विकल्प को भी ध्यान में रखना चाहिए। उद्यमिता के माध्यम से विद्यार्थी अपने सपनों को साकार करने के साथ-साथ समाज और देश के विकास में भी अपना योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम एलकेजी और यूकेजी में पढ़ने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए हुआ कार्यक्रम का आयोजन

किंडरगार्टन ग्रेजुएशन दिवस और ग्रैंड पैरेंट्स डे मनाया

- विद्यार्थियों ने रैंप वॉक नृत्य और स्किट के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

हरदयाल पब्लिक स्कूल में प्री-प्राइमरी बच्चों के लिए ग्रेजुएशन सेरेमनी और ग्रैंड पेरेंट्स डे का आयोजन किया गया। एलकेजी और यूकेजी में पढ़ने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में दीप प्रज्वलन, गणेश वंदना और गायत्री मंत्र का पाठ किया गया। सभी विद्यार्थियों के ग्रैंड पेरेंट्स इस अवसर पर विद्यालय की परिसर में पधारे। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन गाउन और कैप पहनाई गई। बच्चों में एक नए ही उत्साह को महसूस किया गया। बच्चों को प्री-स्कूल सर्टिफिकेट देने के लिए एक-एक कर मंच पर बुलाया गया। विद्यार्थियों ने रैंप वॉक, नृत्य और स्किट के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छोटे बच्चों ने अपने परिवारजनों के लिए विशेष प्रस्तुतियों और खेलों का आयोजन किया। बच्चों के दादा-दादी ने खूब उत्साह और जोश के साथ खेलों में भाग लिया। दादा-दादी ने रस्सा-कस्सी और म्यूजिकल चेयर का आनंद उठाया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल निदेशिका अनुराधा यादव ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति और आत्मविश्वास के लिए उनकी सराहना की।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के द्वारा न केवल बुजुर्गों के प्रति सम्मान करने की सीख दी गई, बल्कि बच्चों को परिवार और संस्कृति के प्रति प्रेम आदर का महत्व भी समझाया गया।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हरदयाल पब्लिक स्कूल के बच्चे। फोटो :हरिभूमि

अंग्रेजी अनुवाद में सुमित ने प्राप्त किया पहला स्थान

विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में अंग्रेजी साहित्य परिषद के तत्वावधान में हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बीएससी गणित प्रथम वर्ष के विद्यार्थी सुमित ने पहला स्थान प्राप्त किया। एमए अंग्रेजी द्वितीय वर्ष की छात्रा राशिका ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। बीए प्रथम वर्ष के छात्र सक्षम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य दलबीर सिंह ने विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता का आयोजन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष श्रीकिशन चाहर के मार्गदर्शन में डॉक्टर मीनू कुमारी, मंजीत और डॉक्टर जय प्रकाश ने किया। प्रतियोगिता का निर्णय डॉक्टर अमित भारद्वाज, डॉक्टर मीनाक्षी और शिव शंकर ने किया।

झज्जर। प्रतिभागी महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों के साथ होनहार। फोटो :हरिभूमि

खबर संक्षेप

डाबोदा में महाराजा सूरजमल जयंती मनाई

बहादुरगढ़। गांव डाबोदा खुर्द में महाराजा सूरजमल की 318वीं जयंती मनाई गई। महाराजा सूरजमल को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में शायरी, भाषण, गीत और कविता पाठ जैसी सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गई। प्राचार्य महेंद्र सिंह कटारिया ने महाराजा सूरजमल के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों को खिलाई एल्बेंडाजोल की दवा

बहादुरगढ़। बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई गई। स्वास्थ्य कर्मियों ने स्कूल में बच्चों को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत एल्बेंडाजोल की टेबलेट खिलाई। कर्मियों ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जा रही है।

निकाय चुनाव में भी भाजपा जीतेगी

बहादुरगढ़। भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ पंकज जैन ने दावा किया कि अगले महीने होने वाले निकाय चुनाव में भी जनता के आशीर्वाद से भाजपा एकतरफा जीतेगी। उनके अनुसार प्रदेश की जनता का पीएम नरेंद्र मोदी व सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व व नीतियों में अटूट विश्वास है। जनता के हित भाजपा में ही सुरक्षित हैं।

बेरी नपा चुनावः पार्षद पद के लिए एक नामांकन

झज्जर। बेरी नपा चुनाव को लेकर नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम बेरी रेणुका नांदल ने बताया कि बेरी वीरवार को वार्ड आठ से प्रवीण कुमार सुपुत्र रामनारायण,निवासी पाना छाजयान ने पार्षद पद के लिए नामांकन किया। वहीं नपा अध्यक्ष पद के लिए कोई नामांकन नहीं हुआ।

नियम तोड़ने पर काटे दुकानदारों के चालान

झज्जर। शहर के सौंदर्यकरण को लेकर नगर परिषद द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ के अंतर्गत वीरवार को नगर परिषद कर्मचारियों द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर नियमों की अवहेलना करने वाले दुकानदारों के चालान किए। दरोगा सुंदरलाल ने बताया कि सफाई दरोगा संजय, अमित व मनोज के साथ अभियान चलाया।

अवैध हथियारों सहित एक आरोपी दो सप्लायर काबू

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा अवैध हथियारों सहित एक आरोपी व दो सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है। सीआईए वन प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस की एक टीम थाना सदर क्षेत्र में तैनात थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि सौरव निवासी तलाव अवैध हथियार लिए हुए तलाव बस स्टैंड के पास खड़ा है।

नहर में डूबने से एक किसान की मौत

झज्जर। गांव मातनहेल में खेत में पानी देने गए एक किसान की नहर में डूबने से मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान मातनहेल गांव निवासी 68 वर्षीय राजबीर के तौर पर हुई है।

उत्तराखंड में झज्जर अखाड़ों के पहलवानों को दो गोल्ड और एक ब्रॉंज

नेशनल गेम्स में छाए म्हारे पहलवान साहिल, मोहित, जयप्रकाश ने जीते मेडल

बहादुरगढ़। पोडियम पर पदक विजेता साहिल व अन्य पहलवान व पदक विजेता जयप्रकाश पहलवान। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

उत्तराखंड में चल रहे नेशनल गेम्स में हमारे पहलवान उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। झज्जर जिले के अखाड़ों में प्रशिक्षण लेने वाले तीन पहलवानों ने दो गोल्ड व एक ब्रांज मेडल जीता है। इनकी जीत पर परिजनों और कुश्ती प्रेमियों ने खुशी जताई है। इन तीन पदक विजेताओं में दो पहलवान मांडोठी स्थित हिंद केसरी सोनू अखाड़े के हैं। यहां अर्जुन अवॉर्डी धर्मेंद्र पहलवान की देखरेख में अभ्यास करने वाले साहिल पहलवान ने 60 केजी ग्रीको रोमन में जबरदस्त प्रदर्शन किया। फाइनल में दिल्ली के पहलवान को हराकर गोल्ड पर कब्जा जमाया। वहीं, इसी अखाड़े के जय प्रकाश पहलवान ने हेवीवेट 125 केजी भारवर्ग में ब्रांज मेडल जीता है। दोनों पहलवानों की जीत पर अखाड़ा संचालक सोनू पहलवान, अर्जुन अवॉर्डी कोच धर्मेंद्र दलाल सहित तमाम पहलवानों व परिजनों ने खुशी जताई है।

पदक विजेता पहलवानों को बधाई दी है। वहीं, बुपनिया स्थित जयवीर अखाड़े के मोहित उर्फ मिरिंडा पहलवान ने 65 केजी फ्री स्टाइल में जबरदस्त प्रदर्शन किया। सर्विसेज की ओर से खेलते हुए मोहित ने गोल्ड मेडल जीता है। मोहित झज्जर जिले के गांव रुड़ियावास का रहने वाला है। पिछले काफी समय से जयवीर अखाड़े में अभ्यास कर रहा है। विश्व स्तर पर देश के लिए कई मेडल जीत चुका है। वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी मेडल जीता है। मोहित की जीत पर उसके कोच जयवीर खुशी से गदगद हैं। कोच जयवीर ने कहा कि मोहित बेहद होनहार पहलवान है। लगातार पदक जीतकर देश, प्रदेश का मान बढ़ा रहा है।

पदक विजेता रोडवेज चालक तरुण का अभिनंदन

बहादुरगढ़। हरियाणा राज्य परिवहन निगम में कार्यरत तरुण सहवाग ने नार्थ इंडिया पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बूते कांस्य पदक जीता है। वीरवार को परिवहन निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने बहादुरगढ़ बस अड्डा परिसर में तरुण का अभिनंदन किया। उसे सम्मानित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। दरअसल, गत सात से 9 फरवरी तक भिवानी में नार्थ इंडिया पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन हुआ था। इन खेलों में उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से सैकड़ों खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने पहुंचे। हरियाणा की तरफ से झज्जर के छुड़ानी निवासी तरुण सहवाग ने 93 किलोग्राम भार वर्ग में बेहतर प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय अपने माता-पिता, कोच के आशीर्वाद तथा साथी कर्मचारियों को दिया। तरुण परिवहन निगम में चालक है। उसकी जीत पर साथी कर्मचारी भी खुशी से गदगद हैं। वीरवार को बहादुरगढ़ सब डिपो परिसर में तरुण का अभिनंदन समारोह हुआ। अधिकारियों व कर्मचारियों ने फूल मालाओं से उसका सम्मान किया। जीएम संजीव कुमार का कहना है कि उन्हें तरुण कुमार की उपलब्धि पर गर्व है। कर्मचारियों ने तरुण को भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव राजेश व कोच विक्की का भी सम्मान किया गया। एसएस जोगेंद्र सिंह, डीआई अशोक कुमार, इंस्पेक्टर नरेश हुड्डा, प्रधान रामबीर, प्रधान विजय, प्रधान सोनू दलाल, प्रधान संदीप दलाल, प्रधान नरेश दलाल मौजूद रहे।

झज्जर। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों को ट्रैक्टरों की प्रतीकात्मक चाबियां सौंपते हुए डीसी प्रदीप दहिया। फोटो: हरिभूमि

रिलायंस व एमईटी ने पंचायत को सौंपें सात ट्रैक्टर- ट्रॉली

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रिलायंस फाउंडेशन व एमईटी ने बादली-झज्जर तथा फारुखनगर खंड की सात ग्राम पंचायतों में ट्रैक्टर-ट्राली भेंट किए। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत लाभावित होने वाली ग्राम पंचायतों में लोहट, जहांगीरपुर, देवरखाना, बाढ़सा, सुरहेती, सुल्तानपुर एवं झांझरौला खेड़ा शामिल रहे। मुख्यातिथि डीसी प्रदीप दहिया व यप में रिलायंस की ओर अमित लाकड़ा व कर्नल रोमेल राज्याण ने शिरकत की। डीसी प्रदीप दहिया ने सभी ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों को ट्रैक्टर की चाबियां देकर उनका उत्साह बढ़ाया। सीएसआर से स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे रिलायंस के प्रयासों की सराहना करते हुए ग्राम पंचायतों से भी स्वच्छता कार्यक्रम में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। कंपनी ने गांव को स्वच्छ बनाने के लिए पंचायतों को जो ट्रैक्टर एवं ट्राली भेंट की है वे इसक सदुपयोग करें। कर्नल रोमेल राज्याण ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को भेंट की गई ट्रैक्टर एवं ट्राली गांव को साफ-सूथरा एवं निर्मल ग्राम बनाने की दिशा में पहला कदम साबित होगा। सीएसआर से रिलायंस द्वारा संचालित आरोग्य क्लिनिक, मिशन सहयोग, ओरो स्कोलर कार्यक्रम, मिशन नवोदय की जानकारी दी। मुकेश कुमार, जहांगीरपुर से संरपच सुखदेव, देवरखाना से इंद्रजीत एवं ज्योति, सुरहेती से बलवान, सुल्तानपुर से सोमबीर एवं सीमा देवी, झांझरौला से रामबीर, बाढ़सा से ज्ञानचंद व लोहट से जयकरण,नीलम सिंह, हनी मलिक, नीरज अहलावत, रमेश सहरावत मौजूद रहे।

पोस्टर मेकिंग कला विचारों की सजीव प्रस्तुति : महिपाल

- प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के 255 विद्यार्थियों ने लिया भाग, पहले तीन विजेता किए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

संस्कारम विश्वविद्यालय में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के 255 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों, डिजाइनों और संदेशों से अपने-अपने विभागों के अनुरूप विषयों पर पोस्टर तैयार किए, जिससे उनकी विषय विशेषज्ञता के साथ-साथ उनकी कलात्मक क्षमता का भी प्रदर्शन हुआ। विश्व विद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

झज्जर। विश्व विद्यालय स्टाफ सदस्यों के साथ प्रतियोगिता के प्रतिभागी विद्यार्थी।

निखरता है आत्मविश्वास

उन्होंने कहा कि पोस्टर मेकिंग केवल एक कला नहीं, बल्कि विचारों की सजीव प्रस्तुति है। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को न केवल रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करती है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और प्रस्तुतीकरण के कौशल को भी निखारती है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

महिला कल्याण योजनाओं के बारे में दी जानकारी

बहादुरगढ़। जसौर खेड़ी के राजकीय कन्या महाविद्यालय में भारतीय महिलाओं के लिए चल रही कल्याणकारी योजनाओं पर व्याख्यान आयोजित किया गया। बहादुरगढ़ के राजकीय कन्या महाविद्यालय की सहायक प्रोफेसर मोना ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्राओं को जागरुक किया। प्रो. मोना ने छात्राओं को सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाए जाने वाली योजनाओं के बारे में बताया। महिला समृद्धि योजना, महिला सिलाई योजना और शिक्षा के लिए मिलने वाली छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में बताया। योजनाएं महिलाओं को सशक्त बनाने में अहम हैं। प्रभारी संदीप किराड़ ने उनका धन्यवाद किया। महिला कोष्ठ प्रभारी डॉ. पूनम की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम में डॉ प्रियंका अग्रवाल, डॉ. सुनैना, डॉ सुनील, डॉ. सतेंद्र कुमार, डॉ सुनील कुमार मौजूद रहे।

पदाधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

- भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने नेताओं से चर्चा कर घोषित की नई कार्यकारिणी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, भाजपा नेता दिनेश कौशिक सेवामूर्ति व वरिष्ठ पदाधिकारियों से विचार-विमर्श करके अपनी कार्यकारिणी गठित की थी। वीरवार को राजपाल जांगड़ा, दिनेश कौशिक व संजय सैनी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए बधाई दी। संजय सैनी ने बताया कि शहरी मंडल में रणजीत सिंह, धर्मेंद्र सैनी, रमेश कुमार, दीपक दलाल, नरेंद्र सिंगला, राज खुराना व प्रमिला जून को उप-प्रधान बनाया गया है। यशपाल आशू और रमेश आर्य को

बहादुरगढ़। नयनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देते भाजपा नेता।

महासचिव व निशा रानी, शुभम शर्मा, सोनू कौशिक, अमित कौशिक, सूरज जाटव, अभिषेक वशिष्ठ व नरेंद्र अग्रवाल को सचिव व विजय आसीवाल कोषाध्यक्ष व डब्बू सूरज और पंकज खट्टर को आईटी सेल, रवि कौशिक और योगेश कौशिक को सोशल मीडिया की जिम्मेदारी दी गई है। नवनियुक्त पदाधिकारियों का अभिनंदन करते हुए भाजपा नेता दिनेश कौशिक ने नई जिम्मेवारी का निर्वहन बेहतर ढंग से करने के लिए शुभकामनाएं दी। उनके अनुसार कार्यकर्ताओं की मेहनत और अथक प्रयासों के चलते हरियाणा में तीसरी बार और दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा की सरकार बनी है। कार्यकर्ता एकजुट रहकर संगठन को सशक्त बनाएं। भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाएं। इस अवसर पर दिनेश शेखावत, रामकंवार सैनी व शेखर कौशिक आदि मौजूद रहे।

झज्जर। नामांकन दाखिल करने के दौरान मौजूद चुनाव पर्यवेक्षक। फोटो: हरिभूमि

झज्जर बार एसोसिएशन चुनावः नामांकन प्रक्रिया शुरू पहले दिन प्रधान पद के लिए एक ने किया आवेदन

झज्जर। आगामी 28 फरवरी को होने वाले झज्जर बार एसोसिएशन के चुनावों को लेकर वीरवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। एसोसिएशन में प्रधान, उपप्रधान, सचिव, सह सचिव व कोषाध्यक्ष के पद के लिए नामांकन पर दाखिल किए जा रहे। चुनाव के लिए जारी अधिसूचना के अनुसार जहां अधिवक्ता पन्द्रह फरवरी तक अपने नामांकन दर्ज करा सकेंगे वहीं सत्रह फरवरी तक नामाकंनों वापसी व छंटनी की जाएगी। चुनाव पर्यवेक्षकों द्वारा पूरी तैयारियां कर ली गई है। पहले दिन प्रधान पद के लिए एडवोकेट भावेश यादव, उप प्रधान पद के लिए कर्मबीर सिवाच, सचिव पद के लिए बिजेंद्र सिंह रंगा, सह सचिव पद के लिए राहुल व सुधीर तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए एडवोकेट रितेश व सुमित ने नामांकन दाखिल किए।

यूडब्ल्यूडब्ल्यू की कमेटी में सदस्य बनी आईएसडब्ल्यूएफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गौरव सचदेवा

- महासचिव गौरव सचदेवा वर्ष 2025 से 2028 तक पारंपरिक कुश्ती कमेटी के सदस्य नियुक्त

विश्व कुश्ती संस्था (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए भारतीय शैली कुश्ती महासंघ (आईएसडब्ल्यूएफ) को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व की पारंपरिक कुश्ती की कमेटी में सदस्य रूप में शामिल किया है। महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र राठी ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय शैली कुश्ती को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना देश के लिए गर्व की बात है। विश्व कुश्ती संस्था ने भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव गौरव रोशन लाल सचदेवा को वर्ष 2025 से 2028 तक विश्व की प्रतिष्ठित पारंपारिक कुश्ती कमेटी का सदस्य नियुक्त किया है। पहली बार यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने कुश्ती में भारत के किसी सदस्य को यह बड़ी ज़िम्मेदारी सौंपी है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू के महासचिव कार्लोस रॉय ने 7 फरवरी को जारी पत्र में बताया कि विश्व कुश्ती की ट्रेडिशनल कमेटी में भारत के साथ अमेरिका, चीन, ईरान, तुर्की, नीदरलैंड्स, कजाकिस्तान तथा सेनेगल सहित कुल 8 देशों के प्रतिनिधि शामिल हैं। ये विश्व में पारंपरिक कुश्ती का चलन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कमेटी 2028 के अमेरिका देश में होने वाले ओलंपिक खेलों तक कार्यभार संभालेगी। गौरव सचदेवा ने बताया कि द्रोणाचार्य अवार्डी स्व. रोशन लाल, महासंघ के पूर्व अध्यक्ष स्व. नफे सिंह राठी और अर्जुन अवार्डी स्व. बिशम्बर सिंह का सपना साकार हो रहा है। भारतीय शैली कुश्ती अब विश्व स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करेगी। भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र नफे सिंह राठी, चेयरमैन रामाश्रय यादव, कोषाध्यक्ष हनीफ राज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिव कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष अर्जुन यादव, संयुक्त सचिव चुन्नी कप्तान, ओलंपियन ज्ञान सिंह, अर्जुन अवार्डी कृपाशंकर पटेल, मोहन नाना खोपड़े, सत्यनारायण पहलवान, राजेश कुमार हाड़ा, जोगेंद्र पाल व सतीश कुमार आदि ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू का धन्यवाद किया।

फरीदाबाद की मोनिका ने जीती प्रतियोगिता

- वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में हुई राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन पीपीटी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला कॉलेज ने राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन पावरप्वाइंट (पीपीटी) प्रतियोगिता हुई। जिसमें देशभर के 42 कॉलेजों व विवि के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि महिलाओं के मुद्दों पर छात्राओं की समझ विकसित करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों को इससे जोड़ने का प्रयास किया गया। निर्णायक मंडल के रूप में डॉ आशा शर्मा के साथ सहायक प्रोफेसर डॉ किरण व प्रीत कमल ने भूमिका निभाई। प्रतिभागियों ने महिला सशक्तिकरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध व साइबर सुरक्षा पर ऑनलाइन वीडियो से अपनी प्रस्तुति दी। फरीदाबाद की मोनिका अग्रवाल प्रथम, खुशबू कुमारी व पूजा यादव द्वितीय स्थान तथा बहादुरगढ़ की दीपिका वत्स व फरीदाबाद की मंजू तंवर तृतीय स्थान पर रही। बहादुरगढ़ की तनु को सांत्वना पुरस्कार मिला। कॉलेज ने सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र के साथ ही 800, 600, 400 व 300 रुपए देकर प्रोत्साहित किया।

बहादुरगढ़। ऑनलाइन पीपीटी सब्मिट करती एक छात्रा। फोटो: हरिभूमि

‘किस-डे और हग-डे’ बाजारवाद की देन, अभिभावकों को किया जागरुक

अमर्यादित आचरण देश की संस्कृति के लिए घातक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

वेलेंटाइन-वीक में प्रेम खोजती युवा पीढ़ी ‘किस-डे और हग-डे’ तक आ पहुंची है। बुधवार को हग-डे और वीरवार को लोगों ने किस-डे के रूप में मनाया। सर्वजातीय सर्वखाप महिला महापंचायत ने इन दोनों दिनों को लेकर रोष व्यक्त किया है। उनकी राय है कि सार्वजनिक रूप से चुंबन लेना और आलिंगन करना, न तो मर्यादा है और न हमारी संस्कृति। यह बाजारवाद की देन है। सर्वजातीय सर्वखाप महिला महापंचायत डॉ. संतोष दहिया ने कहा कि सूचना क्रांति का जमाना है।

मीडिया हो या सोशल मीडिया, किसी न किसी माध्यम से इसके बारे में नई पीढ़ी को जानकारी मिल ही जाती है। सूचना के वेग को रोक नहीं सकते हैं। बस जागरूकता ही संस्कृति को भ्रष्ट होने से रोकने का एकमात्र समाधान है। उन्होंने बताया कि बाजारवाद से प्रभावित युवा रोज-डे पर गुलाब, चॉकलेट-डे पर चॉकलेट और टेडी-डे टेडी आदि खरीदते नजर आए। इससे आगे टीन-एजर्स किस-डे और हग-डे को लेकर मर्यादा की लक्ष्मणरेखा लांघ रहे हैं। भारतीय सुसंस्कृत समाज में इन दोनों दिनों का कोई औचित्य नजर नहीं आता।

बहादुरगढ़। महिलाओं व युवाओं को बाजारवाद के बारे में जागरुक करती डॉ. संतोष दहिया। फोटो: हरिभूमि

युवा पीढ़ी को गुमराह करने की साजिशः प्रो. संतोष

प्रो. संतोष दहिया के अनुसार यह विदेशी कंपनियों की साजिश है। किस-डे और हग-डे युवाओं को अपनी संस्कृति के विपरीत मार्ग पर भटका रहे हैं। सरेआम चुंबन लेना या आलिंगनबद्ध हो जाना हमारी संस्कृति में नहीं है। वैलेंटाइन वीक कैलेंडर के माध्यम से युवा पीढ़ी को गुमराह किया जा रहा है। ऐसे तत्वों से सावधान रहने की जरूरत है। अभिभावकों को भी अपने बच्चों को बाजार की इस साजिश के बारे में बताना चाहिए। रोड-डे, प्रप्रोज डे और किस-डे विदेशी संस्कृति है, हमारी नहीं। भारतीय संस्कृति को बचाए रखने के लिए वेलेंटाइन वीक और ऐसे दिनों का विरोध होना चाहिए।

जेईई मेंस में छाई सेंट एंथोनी की तृषा व सारिका

बहादुरगढ़। जेईई (मेंस) परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाली दो मेधावी छात्राओं का सेंट एंथोनी गर्ल्स स्कूल में वीरवार को अभिनंदन किया गया। तृषा पांडे ने 99.14 प्रतिशत और सारिका मलिक ने 85.43 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय परिसर में आयोजित संचालक डॉ. राकेश कोच, शिक्षा विशेषज्ञ भुवनेश सांगवान और उप प्राचार्या सरिता कुमारी ने दोनों छात्राओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि दोनों छात्राओं की सफलता हमारे स्कूल की गुणवत्ता और छात्राओं की मेहनत का परिणाम है। हमारा लक्ष्य हर बालिका को सशक्त बनाना और उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना है। तृषा पांडे और सारिका मलिक ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय और शिक्षकों को दिया। उन्होंने अन्य छात्राओं को प्रेरित करते हुए बताया कि मजबूत नींव पर ही दीवार खड़ी होती है। डॉ. राकेश कोच ने छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सेंट एंथोनी गर्ल्स स्कूल निरंतर महिला शिक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में कार्यरत है।

उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक आज

बहादुरगढ़। डीएचवीबीएन के उपभोक्ताओं की बिजली और बिल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक शुक्रवार 14 फरवरी को बहादुरगढ़ एक्सईन कार्यालय में होगी। सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक उपभोक्ताओं की शिकायतों का निदान किया जाएगा।

JUPITER PUBLIC SCHOOL, ROHAD
NH-9, ROHAD BYPASS, NEAR TOLL PLAZA
Ph:- 8053959764 | Email-jpsrohad@yahoo.co.in